

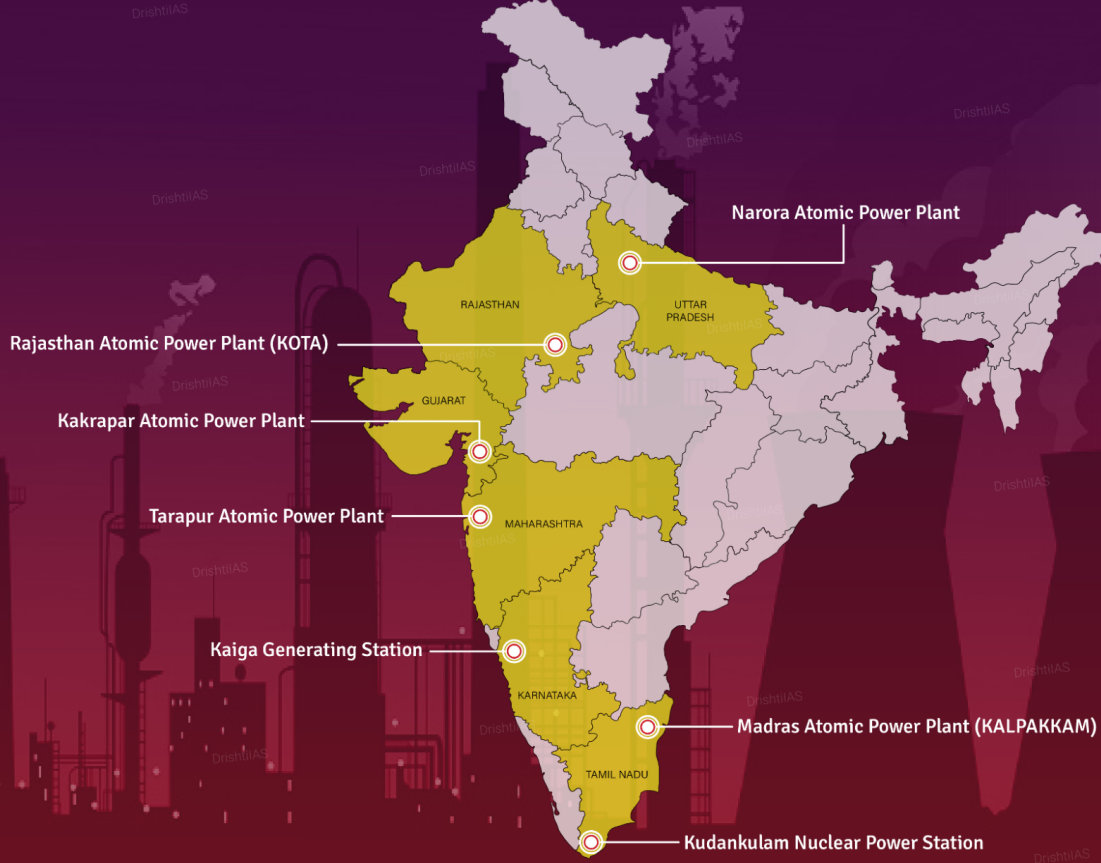
रूस द्वारा कृडनकुलम NPP को उपकरणों का अंतरण

स्रोत: द हट्टि

रूस ने कृडनकुलम परमाणु ऊर्जा परियोजना (KNNP) के रिएक्टर 5 एवं 6 के लिये 26 टर्बाइन हॉल पाइपलाइन वाल्व (उच्च दबाव और नमिन दबाव गेट वाल्व) की पहली खेप भेज दी है।

- उनका मुख्य कार्य सस्टिम के विश्वसनीय संचालन को सुनिश्चित करने के लिये द्रव अथवा गैस प्रवाह को कसकर बंद करना है।
- वर्तमान में इसके पास 2 x 1,000 मेगावाट क्षमता वाले WWER रिएक्टर हैं जो वदियुत उत्पादन कर रहे हैं तथा समान क्षमता वाले अतिरिक्त 4 रिएक्टर निर्माणाधीन हैं।
 - energy.WWER का अर्थ है "वाटर-वाटर पावर रिएक्टर"। ये रिएक्टर ऊर्जा उत्पन्न करने वाली परमाणु प्रतिक्रियाओं के लिये शीतलक एवं मॉडरेटो दोनों के रूपों में जल का उपयोग करते हैं।
- KNNP का आधुनिकीकरण रूस की रोसाटॉम तथा न्यूक्लियर पावर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (NPCIL) द्वारा संयुक्त रूप से किया गया है। यह भारत का सबसे बड़ा परमाणु ऊर्जा संयंत्र है।
 - यह आयातित PWR (प्रेशराइज्ड वॉटर रिएक्टर) तकनीक का उपयोग करने वाला भारत का पहला परमाणु संयंत्र है।
 - इसका निर्माण वर्ष 2002 में शुरू हुआ था और वर्ष 2027 तक इसके पूर्ण क्षमता पर संचालित होने की आशा है।
- वर्ष 2022-23 में देश में कुल वदियुत उत्पादन में परमाणु ऊर्जा की हस्सिसेदारी लगभग 2.8% थी।

भारत में क्रियात्मक परमाणु ऊर्जा संयंत्र



वथ्य

- वर्तमान में, भारत के 6 राज्यों में 6780 मेगावाट इलेक्ट्रिक (MWe) की स्थापित क्षमता के साथ 22 परमाणु ऊर्जा रिएक्टर संचालित हैं।
- परमाणु सुविधाओं की स्थापना व उपयोग और रेडियोधर्मी स्रोतों के उपयोग से संबंधित गतिविधियाँ भारत में परमाणु ऊर्जा अधिनियम, 1962 के अनुसार की जाती हैं।
- परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड (AERB) परमाणु एवं विकिरण सुविधाओं तथा गतिविधियों को नियंत्रित करता है।
- नवीनतम और सबसे बड़ा परमाणु ऊर्जा संयंत्र: कुडनकुलम पावर प्लांट, तमिलनाडु
- पहला और सबसे पुराना परमाणु ऊर्जा संयंत्र: तारापुर पावर प्लांट, महाराष्ट्र

और पढ़ें... [भारत की परमाणु ऊर्जा क्षमता](#)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/russia-ships-equipments-to-kudankulam-npp>

